बच्चों की सच्ची कहानियां 5

Doodh Peeta Madani Munna (Hindi)

दूध पीता म-दनी मुन्ना

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुह़म्मद इल्यास अ़त्त़ार क़ादिरी र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

दूध पीता म-दनी मुन्ना

येह रिसाला (**दूध पीता म-दनी मुन्ना**)

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रत अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल **मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी** र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه ने **उर्दू** ज़बान में तह़रीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को **हिन्दी** रस्मुल ख़त़ में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ़ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअ़ए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्त़लअ़ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबित़ा : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ करी मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा, अह़मदआबाद-1, गुजरात
MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

नाम रिसाला : **दूध पीता म-दनी मुन्ना**

पहली बार : **10,000**

नाशिर : **मक-त-बतुल मदीना** अह़मदआबाद

म-दनी इल्तिजा : किसी और को येह किताब छापने की इजाज़त नहीं।

किताब के ख़रीदार मु-तवज्जेह हों

किताब की त़बाअ़त में नुमायां ख़राबी हो या सफ़ह़ात कम हों या बाइन्डिंग में आगे पीछे हो गए हों तो **मक-त-बतुल** से रुजूअ़ फ़रमाइये।

www.dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَیِّدِ الْمُرْسَلِیْنَ ط
اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّیْطٰنِ الرَّجِیْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ط

दूध पीता म-दनी मुन्ना

(15 सच्ची कहानियां)

दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

फ़रमाने मुस्तफ़ा صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہٖ وسلّم **: अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ की ख़ातिर आपस में महब्बत रखने वाले जब आपस में मिलें और हाथ मिलाएं और नबी (صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہٖ وسلّم) पर दुरूदे पाक भेजें तो उन के जुदा होने से पहले दोनों के अगले पिछले गुनाह बख़्श दिये जाते हैं। (مُسْنَدِ اَبُو یَعْلٰی ج۳ ص۹۵ حدیث۲۹۵۱)

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیْب ! صَلَّی اللّٰهُ تَعَالٰی عَلٰی مُحَمَّد

www.dawateislami.net

1 दूध पीते म-दनी मुन्ने ने बात की !

www.dawateislami.net

1 दूध पीते म-दनी मुन्ने ने बात की !

रसूले पाक صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم मक्के शरीफ़ के एक घर में मौजूद थे कि एक आदमी आप صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم की ख़िदमत में एक मुन्ने (Infant) को कपड़े में लपेट कर लाया जो उसी दिन पैदा हुवा था। रसूले अकरम صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने उस मुन्ने से पूछा : मैं कौन हूं ? वोह बोला : "आप **अल्लाह** के रसूल हैं।" रसूले पाक صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने फ़रमाया : "तू ने सच कहा, **अल्लाह** तआ़ला तुझे ब-र-कत दे।" (معرفةُ الصّحابة ج ٤ ص ٣١٤ رقم ٦٣٩٥)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! **अल्लाह** तआ़ला ने हमारे प्यारे नबी صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم को ऐसी शान अ़ता फ़रमाई है कि दूध पीते म-दनी मुन्ने ने भी आप صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم के रसूल होने की गवाही दी। आइये ! **अल्लाह** तआ़ला के प्यारे रसूल صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم के और भी मो'जिज़े सुनते हैं :

www.dawateislami.net

2

मदनी मुन्ने का हाथ जल गया

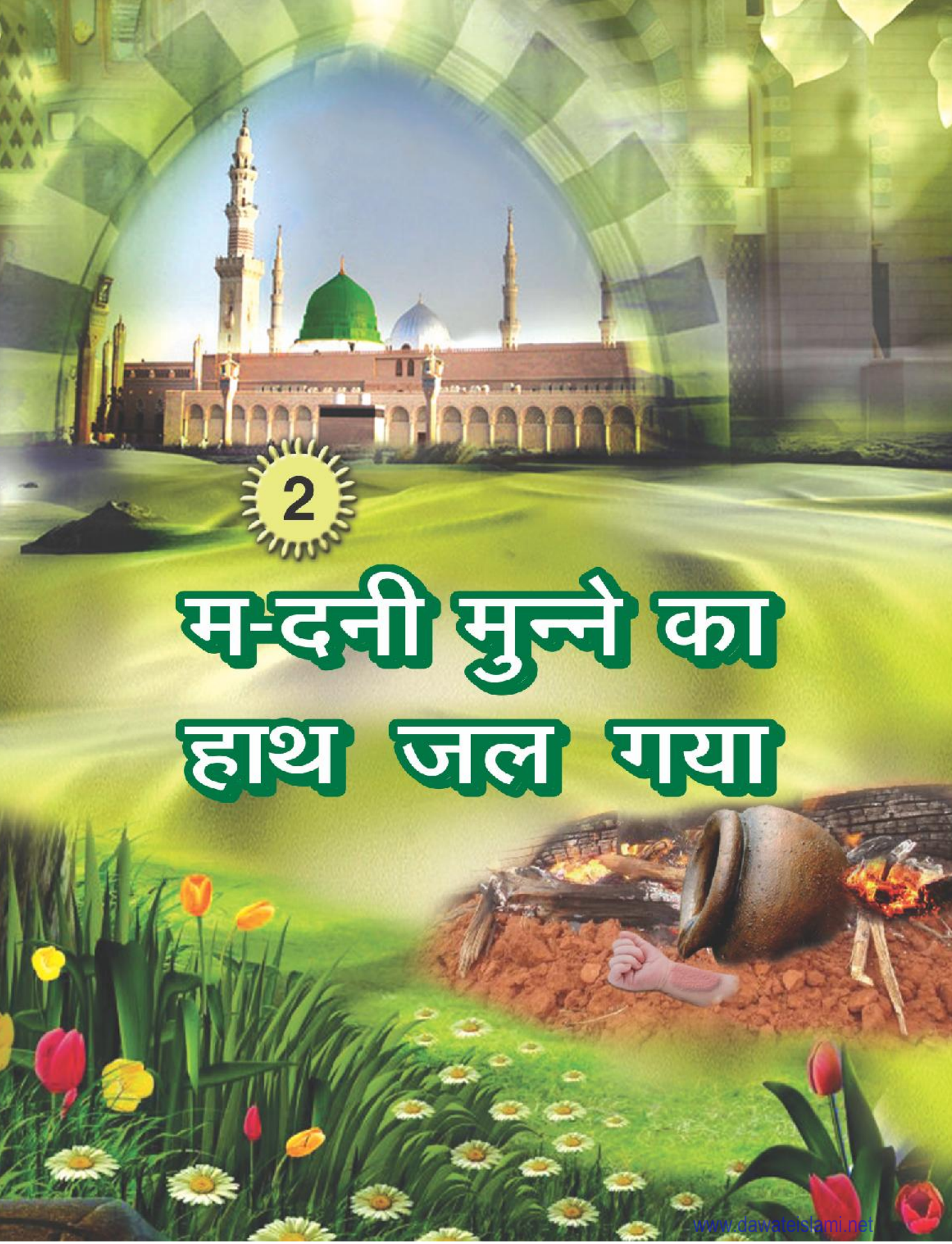

www.dawateislami.net

2 म-दनी मुन्ने का हाथ जल गया

हमारे प्यारे नबी صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم के सह़ाबी ह़ज़रते मुह़म्मद बिन ह़ातिब رَضِیَ اللّٰهُ تَعَالٰى عَنْهُ फ़रमाते हैं कि मेरी अम्मीजान رَضِیَ اللّٰهُ تَعَالٰى عَنْهَا ने मुझे बताया : मैं तुम्हें ले कर (मुल्के) ह़बशा से आ रही थी, मदीने शरीफ़ से कुछ दूर मैं ने खाना पकाया, उसी दौरान लकड़ियां ख़त्म हो गईं, मैं लकड़ियां लेने गई तो तुम ने हंडिया (Pot) को खींचा, हंडिया तुम्हारे हाथ पर गिर गई और तुम्हारा हाथ जल गया। मैं तुम्हें ले कर **मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाह** صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم की ख़िदमत में ह़ाज़िर हुई और अ़र्ज़ की :

www.dawateislami.net

या रसूलल्लाह صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ! मेरे मां बाप आप पर कुरबान ! येह मुह़म्मद बिन ह़ातिब है । रसूले अकरम صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने तुम्हारे सर पर अपना मुबारक हाथ फैरा और तुम्हारे लिये दुआ़ की, फिर तुम्हारे हाथ पर अपना मुबारक लुआ़ब (या'नी ब-र-कत वाला थूक) लगाया। जब मैं तुम्हें ले कर वहां से उठी तो तुम्हारा हाथ बिल्कुल ठीक हो चुका था।

(مُسندِ اِمام احمد بن حنبل ج ٥ ص ٢٦٥ حدیث ١٥٤٥٣ مُلخّصاً)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

www.dawateislami.net

www.dawateislami.net

3 कुछ बाल सफ़ेद और कुछ काले

ह़ज़रते साइब رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ के सर के बीच वाले बाल बिल्कुल काले (Black) थे लेकिन बाक़ी सर और दाढ़ी के बाल सफ़ेद (White) थे। पूछा गया : येह क्या मुआ़-मला है कि आप के **कुछ बाल सफ़ेद और कुछ काले** हैं ? फ़रमाया : मैं बचपन में बच्चों के साथ खेल रहा था, रसूले करीम صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم मेरे पास से गुज़रे तो मैं ने सलाम अ़र्ज़ किया। आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने सलाम का जवाब दिया और पूछा : आप कौन हैं ? मैं ने अपना नाम बताया तो हुज़ूरे अकरम صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने मेरे सर पर अपना हाथ मुबारक फैरा और मुझे ब-र-कत की दुआ़ दी। मेरे सर पर जिस जिस जगह हुज़ूरे अन्वर صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم का मुबारक हाथ लगा है वोह बाल सफ़ेद (White) नहीं हुए। (مُعجَم کبِیر ج ۷ ص ۱٦۰ حدیث ٦٦۹۳ مُلَخَّصاً)

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب ! صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلٰی مُحَمَّد

www.dawateislami.net

www.dawateislami.net

4 प्यारे नबी का प्यारा प्यारा हाथ

ह़ज़रते जाबिर बिन समुरह رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ फ़रमाते हैं : रह़मत वाले आक़ा صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم के पास से जब बच्चे गुज़रते तो आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم उन में से किसी के एक गाल (Cheek) पर और किसी के दोनों गालों पर अपना शफ़्क़त भरा हाथ फैरते थे, मैं आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم के पास से गुज़रा तो आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने मेरे एक गाल पर अपना प्यारा प्यारा हाथ फैरा। वोह गाल जिस पर हुज़ूरे पुरनूर صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने अपना हाथ मुबारक फैरा था वोह दूसरे गाल (Cheek) से ज़ियादा ख़ूब सूरत (Beautiful) हो गया था।

(کَنْزُ الْعُمّال ج ۱۳ ص ۱۳۵ حدیث ۳٦۸۷٦)

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب ! صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلٰی مُحَمَّد

www.dawateislami.net

5

छोटी बोंडी वाला म-दनी मुन्ना

www.dawateislami.net

5 छोटी बोडी वाला म-दनी मुन्ना

ह़ज़रते अ़ब्दुर्रह़मान बिन ज़ैद رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ जब पैदा हुए तो उन के नानाजान ह़ज़रते अबू लुबाबा رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ ने उन्हें एक कपड़े में लपेट कर सरकारे मदीना صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم की ख़िदमत में पेश किया और अ़र्ज़ की : **या रसूलल्लाह** صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ! मैं ने आज तक इतने **छोटे जिस्म वाला बच्चा** नहीं देखा। म-दनी आक़ा صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने बच्चे को घुट्टी दी (या'नी पहली मर्तबा उस के मुंह में खाने वग़ैरा की कोई चीज़ डाली), सर पर हाथ मुबारक फैरा और दुआ़ए ब-र-कत की। (दुआ़ए मुस्त़फ़ा صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم की ब-र-कत येह ज़ाहिर हुई कि) ह़ज़रते अ़ब्दुर्रह़मान बिन ज़ैद رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ जब किसी क़ौम (Nation) में होते तो क़द में सब से ऊंचे (Tall) नज़र आते। (اَلْاِصابَۃُ ج٥ ص٢٩ رقم ٦٢٢٧)

www.dawateislami.net

6

गूंगा (Dumb) बच्चा बोलने लग गया

www.dawateislami.net

6 गूंगा (Dumb) बच्चा बोलने लग गया

रसूले पाक صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم की सहाबिया हज़रते उम्मे जुन्दुब رَضِیَ اللّٰهُ تَعَالٰى عَنْهَا फ़रमाती हैं : एक औरत अपने गूंगे (Dumb) बेटे को ले कर हुज़ूरे अन्वर صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم की ख़िदमत में हाज़िर हुई और अ़र्ज़ की : **या रसूलल्लाह** صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ! मेरे बेटे को कोई तक्लीफ़ है जिस की वज्ह से येह **बोलता नहीं**। येह सुन कर रहमत वाले आक़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने फ़रमाया : (एक पियाले में) थोड़ा सा पानी लाओ। पानी लाया गया, आप صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने दोनों हाथों को धोया और मुंह में पानी ले कर कुल्ली की और फ़रमाया :

www.dawateislami.net

"जाओ और येह पानी अपने बच्चे को पिला दो और कुछ पानी इस पर छिड़क दो और **अल्लाह** तआ़ला से इस के लिये शिफ़ा मांगो।" फिर अगले साल जब मैं दोबारा उस औ़रत से मिली और उस के बेटे के बारे में पूछा तो उस ने बताया : अब मेरा बेटा बिल्कुल तन्दुरुस्त (Healthy) और बहुत अ़क़्ल मन्द (Wise) हो गया है। (ابنِ ماجه ج٤ص١٢٩حديث٣٥٣٢ مُلَخَّصاً)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب! صلَّى اللهُ تعالٰى على محمَّد

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

6 मो'जिज़े सुनने के बा'द अब आइये ! और वाक़िआ़त सुनते हैं :

www.dawateislami.net

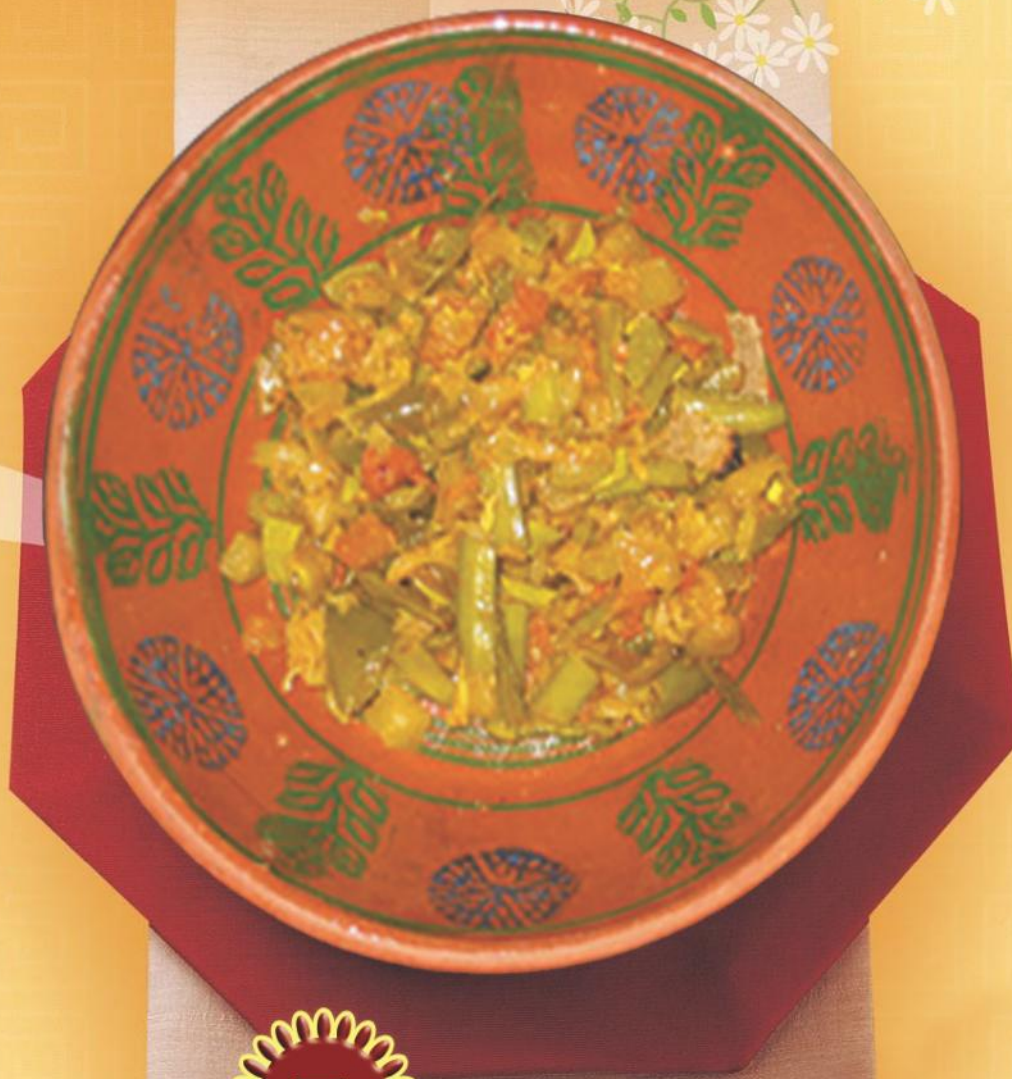

7

मेरा हाथ पियाले में घूमता था

www.dawateislami.net

7 मेरा हाथ पियाले में घूमता था

ह़ज़रते उ़मर बिन अबी स-लमा رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ फ़रमाते हैं : मैं बचपन में हुज़ूरे अकरम صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم की परवरिश में था। (खाते वक़्त) **मेरा हाथ पियाले में घूमता था** (या'नी हर त़रफ़ से खाना खाता था)। **रसूलुल्लाह** صَلَّی اللّٰہُ عَلَیْہِ وَسَلَّم ने मुझ से इर्शाद फ़रमाया : "ऐ लड़के! **बिस्मिल्लाह** पढ़ो, सीधे हाथ से अपने सामने से खाओ।" उस के बा'द से मैं इसी त़रह़ (या'नी आप صَلَّی اللّٰہُ عَلَیْہِ وَسَلَّم के इस कहने के मुत़ाबिक़) खाता हूं।

(بُخاری ج۳ص۵۲۱ حدیث۵۳۷۶)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

हमेशा بِسْمِ اللّٰہِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْم पढ़ कर सीधे हाथ से अपने

www.dawateislami.net

सामने से खाना खाइये, हां ! अगर थाल (Platter) में अलग अलग त़रह़ की चीज़ें हों, तो अब इधर उधर से खा सकते हैं । जब पानी पियें तो बैठ कर, उजाले में देख कर, بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْم पढ़ कर, सीधे हाथ से, चूस चूस कर, तीन सांस में पियें। बे शुमार सुन्नतें और आदाब सीखने और इन पर अ़मल का जज़्बा पाने के लिये दा'वते इस्लामी के सुन्नतों भरे इज्तिमाअ़ में आया करें और "म-दनी चेनल" देखा करें।[1]

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

مــــــــدينــه

1 : खाने की सुन्नतें और आदाब जानने के लिये **मक-त-बतुल मदीना** की किताब "**फ़ैज़ाने सुन्नत** (जिल्द अव्वल)" का बाब "**आदाबे त़आ़म**" पढ़िये

www.dawateislami.net

8

समझदार म-दनी मुन्नी

www.dawateislami.net

8 समझदार म-दनी मुन्नी

अल्लाह पाक के एक बहुत ही नेक बन्दे **ह़ज़रते** फ़ुज़ैल बिन इ़याज़ رَحۡمَۃُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیۡہ की छोटी बेटी की हथेली में दर्द था, जब उन्हों ने उस से पूछा : बेटी ! तुम्हारी हथेली का दर्द अब कैसा है ? (समझदार म-दनी मुन्नी ने) जवाब दिया : अब्बूजान ! ख़ैरियत है, अगर **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ने मुझे थोड़ी सी तक्लीफ़ में डाला भी है तो इस से कहीं ज़ियादा आ़फ़िय्यत (या'नी सलामती) भी दी है, वोह इस त़रह़ कि सिर्फ़ मेरी हथेली में दर्द था लेकिन बाक़ी बदन (आंख, कान, नाक, होंट और पाउं वग़ैरा) में कोई तक्लीफ़ न हुई, इस बात पर **अल्लाह** तआ़ला का शुक्र है। इतने प्यारे जवाब (Reply) पर उन्हों ने फ़रमाया : "बेटी ! मुझे अपनी हथेली दिखाओ।" जब उस ने हथेली दिखाई तो उन्हों ने मह़ब्बत से उस की हथेली चूम ली।

(حَیاۃُ الحَیَوان لِلدَّمِیری ج ۱ ص ۱۹۷ مُلَخَّصاً)

www.dawateislami.net

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! इस "सच्ची कहानी" से हमें येह दर्स (Lesson) मिला कि हमें जब भी कोई तक्लीफ़ पहुंचे तो "हाए हू" करने के बजाए सब्र करना और इस बात पर **अल्लाह** तआ़ला का शुक्र करना चाहिये कि उस ने हमें बड़ी तक्लीफ़ से बचा कर रखा म-सलन अगर किसी के सर में दर्द हो तो वोह इस बात पर **अल्लाह** तआ़ला का शुक्र करे कि इस को बुख़ार (Fever) नहीं हुवा। बिग़ैर ज़रूरत किसी एक को भी अपनी तक्लीफ़ बतानी भी नहीं चाहिये ताकि हमें सब्र का सवाब मिल जाए। हां दुआ़ करवाने के लिये किसी नेक बन्दे या इलाज के लिये अम्मी या अब्बू या डॉक्टर वग़ैरा को बताया तो ह़रज नहीं। **अल्लाह** तआ़ला हमें सब्रो शुक्र करने वाला बन्दा बनाए। आमीन।

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

www.dawateislami.net

www.dawateislami.net

9 म-दनी मुन्ने को डबल मिला

अल्लाह पाक के प्यारे नबी صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم के प्यारे सहाबी ह़ज़रते जाबिर बिन **अ़ब्दुल्लाह** رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ का बयान है कि सरकारे मदीना صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم को तोह़फ़े में एक बरतन में ह़ल्वा पेश किया गया तो आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने हम सब को थोड़ा थोड़ा ह़ल्वा दिया, जब मेरी बारी आई और मुझे एक बार देने के बा'द फ़रमाया : क्या तुम्हें और दूं ? मैं ने अ़र्ज़ की : जी हां, तो आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने मेरी कम उ़म्री की वज्ह से मुझे मज़ीद (या'नी और ज़ियादा) दिया, इस के बा'द जो लोग बाक़ी रह गए थे उन को उन का ह़िस्सा दे दिया गया

(شُعَبُ الْاِیمان ج۵ ص۹۹ حدیث۳۵ مُلَخَّصاً)

www.dawateislami.net

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

हमारे प्यारे नबी صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم बच्चों पर बड़ी शफ़्क़त फ़रमाते थे जभी तो आप صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने ह़ज़रते जाबिर رَضِیَ اللّٰهُ تَعَالٰى عَنْهُ को दूसरों से ज़ियादा दिया इस लिये कि वोह बच्चे थे । लेकिन येह बात याद रखनी चाहिये कि जब कोई चीज़ तक़्सीम की जा रही हो तो आप ने किसी से डबल ह़िस्सा मांगना नहीं है, हां ! अगर चीज़ बांटने वाला ख़ुद ही आप को ज़ियादा दे दे तो ले लेने में कोई ह़रज नहीं ।

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

www.dawateislami.net

www.dawateislami.net

10 ज़िक्रुल्लाह की आ़दत

ह़ज़रते दावूद बिन अबू हिन्द رَحْمَةُ اللهِ تَعَالٰى عَلَيْه जब बाज़ार (Market) आया जाया करते थे तो अपने लिये इस त़रह़ त़ै कर लेते कि फ़ुलां जगह तक **अल्लाह** का **ज़िक्र** करता रहूंगा, जब उस जगह (Place) तक पहुंच जाते तो फिर अपने ऊपर लाज़िम करते कि फ़ुलां जगह तक **ज़िक्रुल्लाह** करूंगा और इस त़रह़ **ज़िक्र** करते करते आप घर पहुंच जाते। (حِلْيَةُ الْاولياء ج٣ص١١٠مُلَخَّصاً)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! ज़ुबान से **अल्लाह अल्लाह** कहना, तिलावत करना, ना'त शरीफ़ पढ़ना और दुआ़ मांगना वग़ैरा सब **ज़िक्रुल्लाह** है। इसी त़रह़ दिल ही दिल में **अल्लाह** तआ़ला की दी हुई ने'मतों (Blessings) को याद करना, नमाज़ में क़ियाम (या'नी खड़े होना), रुकूअ़ और सज्दा करना भी **ज़िक्रुल्लाह** में शामिल है।

www.dawateislami.net

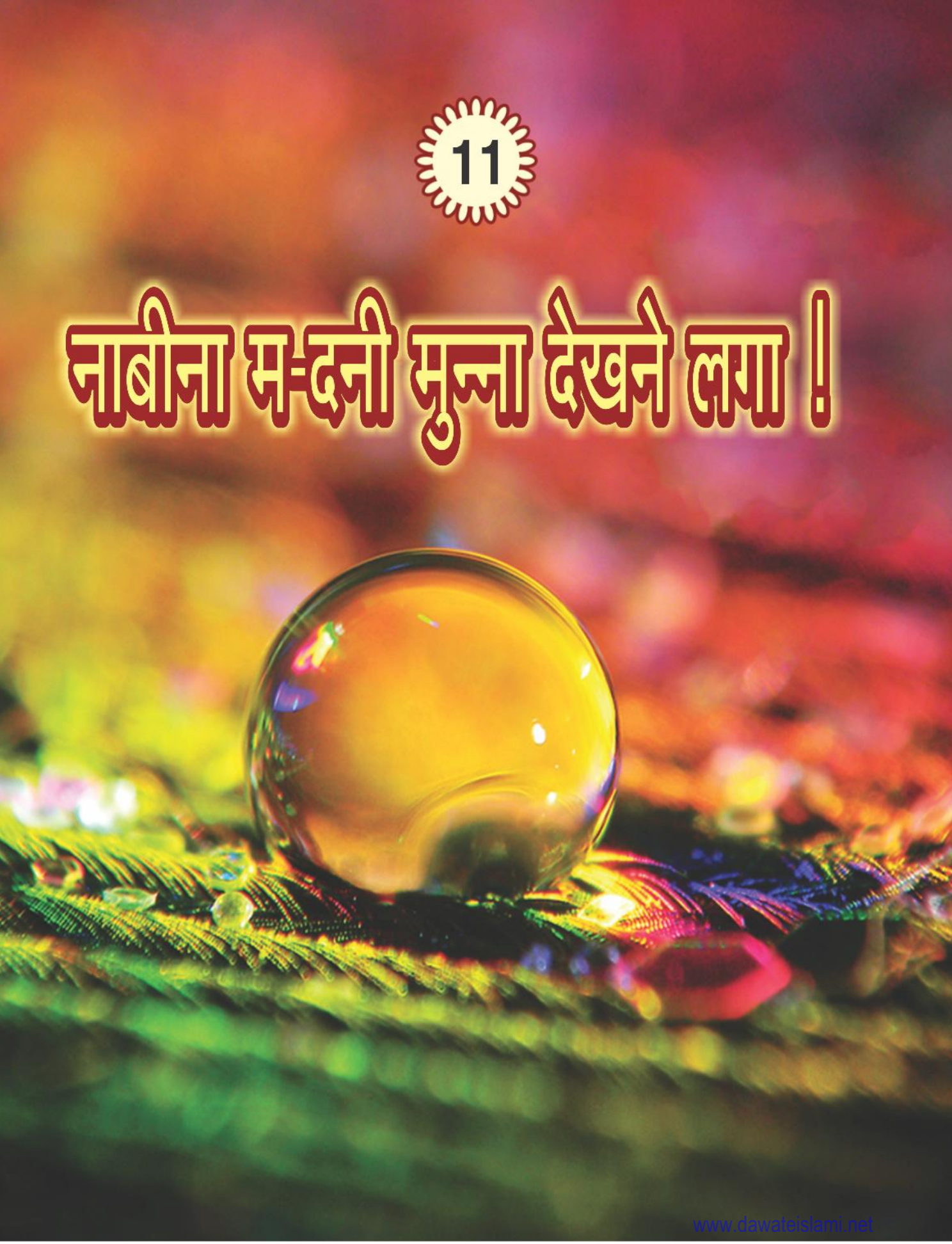

www.dawateislami.net

11 नाबीना म-दनी मुन्ना देखने लगा !

ह़दीसों की मश्हूर किताब "बुख़ारी शरीफ़" लिखने वाले बुज़ुर्ग ह़ज़रत इमाम मुह़म्मद बिन इस्माईल **बुख़ारी** رَحۡمَۃُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیۡہ बचपन में **नाबीना** (Blind) हो गए थे, त़बीबों (Doctors) से इलाज करवाया गया लेकिन उन की आंखों की रोशनी वापस न आ सकी। आप की अम्मीजान رَحۡمَۃُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیۡہ मुस्तजाबुद्दा'वात (या'नी उन की दुआ़एं क़बूल होतीं) थीं, एक रात उन्हें ख़्वाब में ह़ज़रते इब्राहीम عَلَیۡہِ السَّلام नज़र आए, उन्हों ने फ़रमाया : "**अल्लाह** तआ़ला ने तेरी दुआ़ क़बूल फ़रमाई, तेरे बेटे की आंखें सह़ीह़ कर दी हैं।" सुब्ह़ जब इमाम बुख़ारी

www.dawateislami.net

رَحْمَةُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیْہ नींद से उठे तो उन की आंखें सह़ीह़ हो चुकी थीं और देखने लगे थे। (مرقاۃ ج ۱ ص ۵۳، اشعۃ اللّمعات ج ۱ ص ۹)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

देखा आप ने ! मां की दुआ़ में कैसी तासीर होती है ! हमेशा अपने मां बाप को राज़ी रखिये, उन का कहना मानिये, अम्मीजान या अब्बूजान आएं तो अदब से खड़े हो जाइये, उन के सामने निगाहें नीची रखिये, उन के हाथ पाउं चूमिये। जो अपने मां बाप की बात नहीं मानता और उन को नाराज़ करता है इस की सज़ा उसे दुन्या में भी मिलती है जैसा कि

www.dawateislami.net

12

दांत कट वाई

www.dawateislami.net

12 टांग कट गई

"ज़मख़्शरी"[1] (नाम के एक आदमी) की एक **टांग कटी हुई** थी, लोगों के पूछने पर उस ने बताया कि येह मेरी **मां की बद-दुआ़** का नतीजा है, हुवा यूं कि मैं ने बचपन में एक **चिड़िया** पकड़ी और उस की टांग में धागा बांध दिया, इत्तिफ़ाक़ से वोह मेरे हाथ से छूट कर उड़ते उड़ते एक दीवार की दराड़ (Crack) में घुस गई, मगर धागा बाहर ही लटक रहा था, मैं ने धागा पकड़ कर बे दर्दी से खींचा तो **चिड़िया** फड़क्ती हुई बाहर निकल पड़ी, मगर बेचारी की **टांग** धागे से कट चुकी थी, **मेरी मां** येह देख कर बहुत नाराज़ हुई और उस के मुंह से मेरे लिये येह **बद-दुआ़** निकल गई :

1 : येह मो'तज़िली फ़िर्क़े का एक आ़लिम गुज़रा है।

www.dawateislami.net

"जिस त़रह़ तू ने इस बे ज़ुबान की टांग काटी है, **अल्लाह** तआ़ला तेरी टांग काटे।" बात आई गई हो गई, कुछ अ़र्से के बा'द ता'लीम ह़ासिल करने के लिये मैं ने "बुख़ारा" शह्र का सफ़र किया, रास्ते में सुवारी से गिर पड़ा, **टांग** पर शदीद चोट लगी, "बुख़ारा" पहुंच कर काफ़ी इलाज किया मगर तक्लीफ़ न गई और टांग **कटवानी पड़ी**। (और यूं मां की बद-दुआ़ पूरी हुई)

(حَیاۃُ الحَیَوان ج ۲ ص ۱۶۳)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! इस "सच्ची कहानी" से येह भी मा'लूम हुवा कि इन्सान तो इन्सान हमें किसी जानवर को भी तक्लीफ़ नहीं पहुंचानी चाहिये, बा'ज़ बच्चे मुर्ग़ी के चूज़ों, बिल्ली और बकरी के बच्चों वग़ैरा को मारते, उठा कर ज़मीन पर फेंकते हैं, उन्हें हरगिज़ हरगिज़ ऐसा नहीं करना चाहिये।

www.dawateislami.net

13

परिन्दे को तीर मार रहे थे

www.dawateislami.net

13 परिन्दे को तीर मार रहे थे

ह़ज़रते अ़ब्दुल्लाह बिन उ़मर رضی اللہ تعالیٰ عنہما कुरैश के चन्द नौ जवानों के पास से गुज़रे, जो एक परिन्दे (Bird) को बांध कर उस पर (तीरों से) निशाना बाज़ी कर रहे थे। जब उन्हों ने आप رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ को आते देखा तो इधर उधर हो गए। आप رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ ने पूछा : "येह किस ने किया है ? **अल्लाह** तआ़ला ऐसा करने वाले पर ला'नत करे, बेशक रसूले अकरम صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने किसी ज़ी रूह़ (या'नी जानदार) को तीर अन्दाज़ी का निशाना बनाने वाले पर ला'नत फ़रमाई है।"

(مُسلم ص۱۰۸۲ حدیث۱۹۵۸)

www.dawateislami.net

14

गाना गाने वाली बच्ची

www.dawateislami.net

14 गाना गाने वाली बच्ची

ह़ज़रते अ़ब्दुल्लाह इब्ने उ़मर رضی اللہ تعالیٰ عنہما एक छोटी लड़की के पास से गुज़रे जो गाना (Song) गा रही थी, आप ने इर्शाद फ़रमाया : "अगर शैत़ान किसी को छोड़ता तो इसे ज़रूर छोड़ देता।" (شُعَبُ الْاِیمان ج٤ص٢٧٩رقم٥١٠٢) मत़लब येह है कि अगर शैत़ान किसी को छोड़ता तो कम अज़ कम इस छोटी बच्ची को छोड़ देता मगर शैत़ान किसी को भी नहीं छोड़ता लिहाज़ा छोटों को भी शैत़ान से होशियार रहना चाहिये।

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! गाने बाजे सुनना और गाना शैत़ानी काम है, आप हरगिज़ येह शैत़ानी काम न कीजिये, **अल्लाह** की रह़मत से तिलावते कुरआन सुनिये, ना'त शरीफ़ और सुन्नतों भरे बयानात सुनिये, اِنْ شَآءَ اللہ आप को बहुत सारा सवाब मिलेगा।

www.dawateislami.net

15

गधे पर सुवार म-दी मुन्ना

www.dawateislami.net

15 गधे पर सुवार म-दनी मुन्ना

(पहले के ज़माने में स्कूटरें और कारें नहीं होती थीं, इस लिये) एक शख़्स गधे (Donkey) पर सुवार हो कर अपने बीमार दोस्त की इयादत के लिये उस के घर गया और अपना गधा (Donkey) दरवाज़े पर किसी हिफ़ाज़ती इन्तिज़ाम के बिग़ैर छोड़ दिया। जब वापस निकला तो देखा गधे के ऊपर एक बच्चा बैठा उस की हिफ़ाज़त कर रहा है, उस शख़्स ने नाराज़ होते हुए पूछा : तुम मेरी इजाज़त के बिग़ैर इस पर कैसे सुवार हुए ? बच्चे ने कहा : मुझे डर था कि येह कहीं भाग न जाए इस लिये इस पर सुवार हो गया। वोह बोला : मेरे नज़्दीक इस का भाग जाना यहां खड़े रहने से बेहतर था। येह सुन कर

www.dawateislami.net

बच्चे ने जवाब दिया : अगर ऐसी बात है तो येह गधा मुझे तोह़फ़े (Gift) में दे दीजिये और समझ लीजिये कि गधा भाग गया है, मैं आप का शुक्रिया भी अदा करूंगा। वोह शख़्स कहता है कि मैं उस बच्चे की येह बात सुन कर ला जवाब हो गया।

(کتابُ الاذکیاء لابن الجَوزی ص۲٤۸)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

अपनी चीज़ें खिलोने, जूते वग़ैरा इधर उधर रख देने के बजाए उन्हें रखने की जो जगह मुक़र्रर (Fix) है वहीं रखने की आ़दत बनाइये, वरना गुम होने का ख़त़रा (Risk) है। यहां तक की तमाम (15) कहानियां सच्ची कहानियां थीं अब दो सबक़ आमोज़ फ़र्ज़ी (या'नी मन घड़त, बनावटी) कहानियां पेश की जाती हैं, सुनिये :

www.dawateislami.net

16

गुस्से वाले बच्चे का अनोखा इलाज

www.dawateislami.net

16 गुस्से वाले बच्चे का अनोखा इलाज

एक बच्चा गुस्से का बहुत तेज़ था, बात बात पर गुस्से में आ कर दूसरों को बुरा भला कहता और झगड़ा किया करता, उस के वालिदैन ने बहुत कोशिश की, कि किसी त़रह़ वोह अपने गुस्से पर क़ाबू पाना सीख जाए मगर नाकाम रहे। एक दिन उस के अब्बूजान को एक तरकीब सूझी, उन्हों ने बच्चे को बहुत सारे कील (Nails) दिये और घर के पिछले ह़िस्से की दीवार (Wall) की त़रफ़ ले गए और कहा : बेटा ! तुम जब भी किसी पर गुस्सा उतारो या झगड़ो तो इस दीवार में एक कील ठोंक देना, पहले दिन उस ने 37 बार गुस्सा और झगड़ा किया, इस लिये पहले दिन 37 कीलें ठोंकीं। कुछ ही दिन में वोह थक गया और समझ गया कि गुस्से पर क़ाबू पाना आसान है मगर दीवार में कील ठोंकना बहुत मुश्किल काम है। उस ने अब्बूजान को अपनी परेशानी (Problem) बताई, तो उन्हों ने कहा : अब जब तुम्हें

www.dawateislami.net

गुस्सा आए और तुम इस पर क़ाबू पा लो तो दीवार से एक कील निकाल लिया करो। बेटे ने ऐसा ही किया और बहुत जल्द दीवार में लगी हुई कीलें जिन की ता'दाद 100 हो चुकी थी निकालने में काम्याब हो गया। अब अब्बूजान ने बेटे का हाथ पकड़ा और दीवार के पास ले जा कर कहने लगे : बेटा! तुम ने अपने गुस्से पर क़ाबू पाया बहुत अच्छा किया मगर इस दीवार को देखो! येह पहले जैसी नहीं रही इस में सूराख़ कितने बुरे लग रहे हैं, जब तुम गुस्से में चीख़ते चिल्लाते और उलटी सीधी बातें करते हो तो इस से दूसरों के दिल में गोया चाकू (Knife) घोंपते हो, फिर तुम मा'ज़िरत (Sorry) भी कर लो तब भी इस से दूसरों के दिल का ज़ख़्म जल्द ठीक नहीं होता क्यूं कि ज़ुबान का ज़ख़्म चाकू के ज़ख़्म से ज़ियादा गहरा होता है। येह सुन कर बच्चे ने दूसरों का दिल दुखाने से तौबा कर ली और मुआ़फ़ी भी मांग ली। (गुस्से की आ़दत निकालने के लिये **मक-त-बतुल मदीना** का रिसाला "गुस्से का इलाज" पढ़िये)

www.dawateislami.net

17

बुरी सोहबत का असर

www.dawateislami.net

17 बुरी सोहबत का असर

नेक घराने का एक म-दनी मुन्ना बुरे दोस्तों की सोह़बत (Company) में उठने बैठने लगा। उस के अब्बूजान को येह बात पता चली तो उन्हों ने उसे समझाया कि बुरों की सोह़बत तुम्हें भी कहीं बुरा न बना दे। उस ने येह कह कर टाल (Avoid कर) दिया कि अब्बूजान! आप फ़िक्र न कीजिये मैं उन जैसा नहीं बनूंगा। वालिदे मोह़तरम ने अपने बेटे को अ़-मली त़ौर पर समझाने का इरादा कर लिया और एक दिन घर में बहुत सारे आलू बुख़ारे (Prunes) ले आए, उस में कुछ आलू बुख़ारे घर वालों ने खा लिये, जब बाक़ी आलू बुख़ारे रखने लगे तो बेटे

www.dawateislami.net

ने कहा : अब्बूजान ! इन में एक गला सड़ा (Rotten) आलू बुख़ारा भी है इसे निकाल दीजिये, वालिद साहिब बोले : अभी रहने दो, कल देखेंगे। दूसरे दिन जब बाप बेटे ने आलू बुख़ारे देखे तो गले सड़े आलू बुख़ारे के क़रीब वाले आलू बुख़ारे भी ख़राब हो चुके थे। अब वालिद साहिब ने बेटे को समझाया : देखा बेटा ! सोहबत का कितना असर होता है ! एक सड़े हुए आलू बुख़ारे की सोहबत से दूसरे अच्छे वाले आलू बुख़ारे भी ख़राब हो गए ! म-दनी मुन्ने की समझ में आ गया और उस ने बुरे दोस्तों की सोहबत में बैठने से तौबा कर ली।

www.dawateislami.net

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

आप भी बुरे दोस्तों से बच कर रहिये और ऐसों के साथ हरगिज़ न उठें बैठें जो नमाज़ें छोड़ने वाले, फ़िल्में देखने वाले, गाने सुनने वाले, बड़ों की बे अ-दबी करने वाले, दूसरों को सताने वाले और गालियां बकने वाले हों बल्कि नमाज़ों के पाबन्द, सुन्नतों पर अ़मल करने वालों, बड़ों का अदब करने वालों और नेकी की बातें करने वालों के पास बैठिये, नेकों की सोह़बत आप को मज़ीद (या'नी और ज़ियादा) नेक बना देगी, । اِنْ شَآءَ اللہ عَزَّوَجَلَّ

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

www.dawateislami.net

दूध के म-दनी फूल

www.dawateislami.net

दूध के म-दनी फूल

दूध क़ुरआने करीम की रोशनी में

पारह 14 सू-रतुन्नह़्ल आयत नम्बर 66 में है :

وَ اِنَّ لَكُمْ فِی الْاَنْعَامِ
لَعِبْرَةً ؕ نُسْقِیْكُمْ مِّمَّا
فِیْ بُطُوْنِهٖ مِنْۢ بَیْنِ
فَرْثٍ وَّ دَمٍ لَّبَنًا خَالِصًا
سَآئِغًا لِّلشّٰرِبِیْنَ ﴿۶۶﴾

तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान[1] : और बेशक तुम्हारे लिये चौपायों में निगाह ह़ासिल होने की जगह है हम तुम्हें पिलाते हैं उस चीज़ में से जो उन के पेट में है गोबर और ख़ून के बीच में से ख़ालिस दूध गले से सह्ल उतरता पीने वालों के लिये।

---

1 : तर-ज-मए कन्ज़ुल इरफ़ान : और बेशक तुम्हारे लिये मवेशियों में ग़ौरो फ़िक्र की बातें हैं (वोह येह कि) हम तुम्हें उन के पेटों से गोबर और ख़ून के दरमियान से ख़ालिस दूध (निकाल कर) पिलाते हैं जो पीने वाले के गले से आसानी से उतरने वाला है।

www.dawateislami.net

दूध के बारे में दो फ़रामीने मुस्तफ़ा : صَلَّى اللهُ تعالٰى عليه واٰله وسلَّم

1. गाय का दूध इस्ति'माल करो (या'नी पिया करो) क्यूं कि येह हर दरख़्त से गिज़ा ह़ासिल करती है और इस में हर बीमारी से शिफ़ा है। (مُسندِ امامِ اعظم ص۲۰۷،اَلمُستَدرك ج ٥ ص ٥٧٥ حديث ٨٢٧٤)

2. जब कोई शख़्स दूध पिये तो कहे (या'नी येह दुआ़ पढ़े) : " اَللّٰھُمَّ بَارِكْ لَنَا فِيْهِ وَزِدْنَا مِنْهُ " (**तरजमा :** ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ! हमारे लिये इस में ब-र-कत अ़ता फ़रमा और हमें मज़ीद अ़ता फ़रमा) क्यूं कि दूध के सिवा ऐसी कोई चीज़ नहीं जो खाने और पानी दोनों ही जगह किफ़ायत करे। (شُعَبُ الْاِيمان ج٥ص١٠٤ حديث٥٩٥٧) या'नी सिर्फ़ दूध में वोह ने'मत है जो भूक व प्यास दोनों रफ़्अ़ (दूर) करता है, लिहाज़ा येह गिज़ा भी है और पानी भी। (मिरआतुल मनाजीह़, जि. 6, स. 80)

www.dawateislami.net

صَلَّی اللہ تعالٰی علیہ واٰلہٖ وسلَّم आक़ा को दूध बहुत पसन्द था

रसूले अकरम صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم को पीने की चीज़ों में दूध बहुत पसन्द था। (اَخلاقُ النّبی ص ۱۲۲ حدیث ٦١٤) चुनान्चे "बुख़ारी शरीफ़" में है : सरकारे मदीना صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم को हदिय्ये (gift) में दूध भेजा गया जिसे आप صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم ने अस्हाबे सुफ़्फ़ा عَلَیْہِمُ الرِّضْوَان को भी पिलाया और ख़ुद भी नोशे जान फ़रमाया या'नी पिया। (بُخاری ج٤ ص ٢٣٤ حدیث٦٤٥٢ مُلخّصاً)

मां के दूध के चार म-दनी फूल

1 इन्सानी **दूध** जरासीम से पाक और बच्चे के लिये बहुत बड़ी ने'मत है, इस में बचपन में पेश आने वाली अक्सर बीमारियों से बचाने की सलाहिय्यत है।

www.dawateislami.net

2 मां का दूध पीने वाले बच्चे को एलर्जी (Allergy) का इम्कान कम होता और दस्त (Diarrhoea) भी कम ही लगते हैं और अगर लगते भी हैं तो ज़ियादा ख़तरनाक साबित नहीं होते, जब कि जो म-दनी मुन्ने और म-दनी मुन्नियां मां का दूध नहीं पीते उन्हें मां का दूध पीने वालों के मुक़ाबले में एलर्जी का इम्कान सात गुना और दस्तों (Diarrhoea) का इम्कान पन्दरह गुना होता है।

3 मां का दूध पीने वाले बच्चों के दांतों के सड़ने, काले पड़ने, सीने के इन्फ़ेक्शन, दमे, मे'दे की ख़राबियों नीज़ गले, नाक और कान की बहुत सी बीमारियों से उ़मूमन हिफ़ाज़त रहती है।

4 अगर किसी सबब से मां का **दूध** न पिला सके तो डिब्बों के **दूध** के बजाए किसी भी परहेज़ गार ख़ातून से दूध पिलाया जाए इस से भी اِنْ شَآءَ الله عَزَّوَجَلَّ फ़वाइद हासिल होंगे।

www.dawateislami.net

बच्चे को दूध पिलाने की मुद्दत

बच्चे को (हिजरी सन के हिसाब से) **दो बरस** (की उम्र) तक (औरत का) दूध पिलाया जाए, इस से ज़ियादा की इजाज़त नहीं, दूध पीने वाला लड़का हो या लड़की। और येह जो बा'ज़ अवाम में मश्हूर है कि लड़की को दो बरस तक और लड़के को ढाई बरस तक पिला सकते हैं येह सहीह नहीं। येह हुक्म **दूध** पिलाने का है जब कि निकाह हराम होने के लिये (हिजरी सन के हिसाब से) **ढाई बरस** का ज़माना है या'नी दो बरस (की उम्र) के बा'द अगर्चे दूध पिलाना **हराम** है मगर ढाई बरस (की उम्र) के अन्दर अगर दूध पिला देगी, हुर्मते निकाह (या'नी निकाह हराम होना) साबित हो जाएगी (क्यूं कि दूध का रिश्ता क़ाइम हो जाएगा) और इस के बा'द अगर पिया, तो हुर्मते निकाह नहीं अगर्चे पिलाना जाइज़ नहीं। (बहारे शरीअत, जि. 2, स. 36)

www.dawateislami.net

दूध के 47 म-दनी फूल

1. **अल्लाह** तआ़ला की एक बहुत बड़ी ने'मत **दूध** भी है, **अल्लाह** तआ़ला ने इस में ग़िज़ाइयत (Nutrition) के साथ साथ बहुत सी बीमारियों का इलाज भी रखा है।
2. एक तिब्बी तह़क़ीक़ के मुताबिक़ **दूध** पीने वालों की उ़म्रें ज़ियादा होती हैं।
3. दूध केल्शियम (Calcium) से भरपूर होता है, येह हड्डियों की बीमारी, आंतों के केन्सर और हेपाटाइटिस को रोकने में मदद करता है।
4. कम उ़म्री में चेहरे वग़ैरा पर झुर्रियां पड़ गई हों तो रोज़ाना रात नीम गर्म (Lukevarm) **दूध** पियें।

www.dawateislami.net

5 चेहरे पर होने वाले मस्सों, दाग़ धब्बों और कील मुहासों (या'नी जवानी की फुन्सियों) का इलाज येह है कि सोने से पहले अपने चेहरे या मु-तअस्सिरा हिस्से पर क़ाबिले बरदाश्त गर्म **दूध** से मालिश (Massage) कीजिये और उसी **दूध** से चेहरा धोइये, फिर आधे घन्टे बा'द पानी से चेहरा धो लीजिये। اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ फ़ाएदा हो जाएगा।

6 ताज़ा दूध का झाग (Froth) मलने से भी चेहरे के दाग़ धब्बे वग़ैरा दूर होते हैं।

7 उबले हुए ताज़ा **दूध** को ठन्डा करने के बा'द हासिल होने वाली **मलाई** की तह चेहरे पर चढ़ाने से भी इस के दाग़ धब्बे दूर होते हैं।

www.dawateislami.net

8 मलाई में थोड़ी सी पिसी हुई **ज़ा'फ़रान** शामिल कर के होंटों पर मलिये اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ होंटों का रंग गहरा होगा।

9 दूध में पानी मिला कर **ख़ुश्क ख़ारिश** वाली जगह पर लगाइये, थोड़ी देर के बा'द धो डालिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ फ़ाएदा हो जाएगा।

10 गाय या भेंस से निकला हुवा ताज़ा **दूध** गर्म किये बिग़ैर फ़ौरन इस में **मिसरी** या **शहद** और वोह पानी जिस में **किशमिश** को चन्द घन्टों के लिये भिगोया गया हो शामिल कर के 40 दिन तक पीने से नज़र तेज़ होती और **हाफ़िज़ा** मज़बूत होता है। नीज़ येह टी बी, Hysteria, दिल की बे तरतीब

www.dawateislami.net

धड़कनों और जिस्मानी कमज़ोरी नीज़ कमज़ोर बच्चों के लिये फ़ाएदा मन्द है।

11 एक पाव गुलक़न्द में 50 ग्राम ईरानी बादाम कूट कर शामिल कर के रख लीजिये और रोज़ाना सुब्ह दूध के साथ दो चम्मच इस्ति'माल कीजिये اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ हाफ़िज़ा मज़बूत होगा।

12 **दूध** के साथ 5 दाने **मुनक़्क़ा** (एक क़िस्म की बड़ी किशमिश), 6 ग्राम **मिसरी** और 6 ग्राम **गुड़** मिला कर खाने से दांत साफ़ होते, नया ख़ून बनता और वज़्न तेज़ी से बढ़ता है, और क़ब्ज़ में भी मुफ़ीद है। नीज़ जिसे कमज़ोरी से चक्कर आते हों उस के लिये भी येह एक बेहतरीन इलाज है।

www.dawateislami.net

13 एक आम रात सोते वक़्त और एक आम सुब्ह़ नहार मुंह (या'नी ख़ाली पेट) चूस कर, दूध पीने से सुस्ती दूर होती और बदन में चुस्ती (फुरती) आती नीज़ आ'साबी कमज़ोरी में भी फ़ाएदा मन्द है।

14 **दूध** के साथ अरारोट (Arrowroot) पका कर पीने से **अल्लाह** तआ़ला की रह़मत से पेशाब में रुकावट के मरज़ से सिह़्ह़त और बदन को तुवानाई मिलती है।

15 अगर पेशाब में जलन हो तो **सोंफ़** और पिसी हुई **मिसरी** मिला कर पकाए गए नीम गर्म दूध के साथ मुनासिब मिक़्दार में **छोटी इलायची** के दाने खाने से اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ शिफ़ा ह़ासिल होगी।

www.dawateislami.net

16 पेशाब में जलन हो तो ताज़ा दूध में पानी मिला कर पियें, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ जलन दूर होगी। गर्म तासीर वाली ग़िज़ाएं मत खाइये।

17 अगर पेशाब में ख़ून आता हो तो अन्दाज़न 10 ग्राम **नया गुड़** और **मिसरी** दूध में मिला कर पीने से **अल्लाह** तआ़ला के करम से शिफ़ा मिलेगी और मसाने की गरमी, सोज़िश और इन्फ़ेक्शन में भी मुफ़ीद है।

18 मसाने की बीमारी में शिफ़ा के त़लब गार **दूध** में **गुड़** मिला कर पियें।

19 आंखों में जलन, दर्द या कोई ज़ख़्म हो तो **दूध** में डुबोए हुए रूई के गाले (या'नी फोहे) आंखों पर रखिये।

www.dawateislami.net

20 अगर आंखें रोशनी से मु-तअस्सिर हो जाती हैं तो आंखों में ख़ालिस **दूध** का एक एक क़त्रा डालिये।

21 आंख में कचरा वग़ैरा पड़ जाने की सूरत में मु-तअस्सिरा आंख में दूध के 3 क़त्रे डालिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ कचरा आंख से बाहर आ जाएगा।

22 बवासीर हो तो ताज़ा **दूध** से पाउं के तल्वों की मालिश (Massage) कीजिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ फ़ाएदा होगा।

23 एक कप **दूध** के साथ आधी चम्मच **दारचीनी** का पावडर सुब्ह़ व शाम इस्ति'माल करना **बवासीर** के लिये फ़ाएदा मन्द है।

24 दस्त (Diarrhoea) हो तो बच्चों को गर्म **दूध** में चुटकी भर **दारचीनी** का पावडर मिला कर दीजिये

www.dawateislami.net

और बड़ों के लिये दारचीनी की मिक़्दार दुगनी कर दीजिये।

25 दूध मे'दे की तेज़ाबियत (Acidity) ख़त्म करता है।

26 सीने में जलन होती हो तो दिन में तीन मर्तबा **ठन्डा दूध** पियें।

27 नहार मुंह (या'नी ख़ाली पेट नाश्ते से क़ब्ल) **टमाटर** खा कर ऊपर से **दूध** पीने से ख़ून साफ़ होता और ताज़ा ख़ून बनता है।

28 फ़ाएदा मन्द **दूध** वोही है जो ताज़ा और साफ़ सुथरा हो और अच्छी ख़ूराक खाने वाले सिह्ह़त मन्द जानवरों से ह़ासिल किया गया हो।

29 दूध में **चीनी** मिलाने से इस का केल्शियम (Calcium) तबाह हो जाता है।

www.dawateislami.net

30 चीनी से मीठा किया हुवा **दूध** पीने से बल्ग़म बनता, पेट में गड़बड़ होती और गेस पैदा होती है।

31 500 मिली लीटर दूध में 250 ग्राम गाजर के छोटे छोटे टुकड़े उबाल कर इतना ठन्डा कर लीजिये कि पीने के क़ाबिल हो जाए, अब पी लीजिये, (गाजर के टुकड़े भी साथ ही खा लीजिये) इस त़रह़ का **दूध** जल्द हज़्म हो जाता, पेट को साफ़ करता और बदन में ख़ूब आइरन (Iron) पैदा करता नीज़ जिस्मानी कमज़ोरी और मे'दे की तेज़ाबियत में भी फ़ाएदा मन्द है।

32 **बादाम** बारीक काट कर **दूध** में शामिल कर के कमज़ोर बच्चों को पिलाना मुफ़ीद है।

33 गर्म **दूध** पीने से हिचकी (Hiccup) दूर होती है।

www.dawateislami.net

34 आयुर्वेदिक (हिन्दी त़रीक़ए इलाज) के मुत़ाबिक़ **शहद, ग्लूकोज़, गन्ने या फलों** का रस या बिग़ैर बीज की **किशमिश या मिसरी** या भूरी शकर (ब्राउन शूगर) से मीठा किया हुवा दूध **खांसी** के लिये मुफ़ीद है।

35 दूध दोहने के बा'द फ़ौरन पी लेना ज़ियादा फ़ाएदा मन्द है, अगर येह मुम्किन न हो तो नीम गर्म (Lukewarm) दूध पिया जाए। ज़ियादा देर तक उबालने से **दूध** की ग़िज़ाइयत (Nutrition) ज़ाएअ़ हो जाती है।

36 जिन लोगों को दूध हज़्म नहीं होता, गेस करता और पेट फुलाता है वोह शहद मिला कर इस्ति'माल करें, **शहद मिला हुवा दूध** जल्द हज़्म होता है और इस से

www.dawateislami.net

पेट में गेस नहीं बनती।

37 **दूध** में अदरक के चन्द टुकड़े या अदरक पावडर और थोड़ी किशमिश मिला कर उबाल कर पीने से اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ गेस नहीं होगी।

38 दमे (Asthma) के मरीज़ और बल्ग़मी मिज़ाज (People having phlegm) वालों को चाहिये कि वोह **दूध** में "इलायची" या "छुहारे" (Dry dates) या शहद मिला कर पियें।

39 **भेंस** (Buffalo) का दूध भारी होता है, उ़मूमन **भेंस** के दूध का मख्खन और घी बनाया जाता है, येह बल्ग़म बनाता, कोलेस्ट्रोल (Cholesterol) बढ़ाता और **मोटापा** लाता है, हां जो हज़्म कर सके उस के लिये भेंस का दूध सब से ज़ियादा ताक़त वर माना

www.dawateislami.net

जाता है।

40 **गाय** (Cow) का दूध भेंस के दूध से हलका (Light) है, येह जल्द हज़्म हो जाता है।

41 गाय का दूध सरत़ान (Cancer) से भी बचाता है।

42 **बकरी** का दूध सब से बेहतर माना जाता है। इस से जिस्म को त़ाक़त मिलती, हाज़िमा दुरुस्त होता और भूक बढ़ती है।

43 **भेड़** (Sheep) का दूध मिज़ाजन गर्म होता है। येह क़ब्ज़ करता और गेस बनाता है, इस का ज़ाएक़ा (Taste) नम्कीन सा होता बाल लम्बे करता है, मोटापे में कमी लाता है मगर आंखों को नुक़्सान पहुंचाता है, बा'ज़ अवक़ात मुंह में इस से दाने निकल आते हैं। **बच्चों** को येह दूध नहीं देना चाहिये।

www.dawateislami.net

ख़ालिस दूध की पहचान के चार म-दनी फूल

44 येह मुम्किन है कि दूध ख़ालिस तो हो मगर गाढ़ा (Thick) न हो।

45 ड्रॉपर वग़ैरा के ज़रीए **दूध** का एक क़त़रा मार्बल वग़ैरा के सुतून या ऐसी ही हमवार (Plain) दीवार से नीचे की त़रफ़ टपकाइये अगर **दूध** ख़ालिस हुवा तो क़त़रा फ़ौरी त़ौर पर नहीं बहेगा।

46 ख़ालिस **दूध** की बालाई (या'नी मलाई) मोटी होती है।

47 उंगली **दूध** में डुबो कर निकालिये अगर उंगली पर **दूध** लगा रहे तो येह ख़ालिस है वरना पानी मिला हुवा है। **दूध** पहचानने के माहिर ज़ियादा तर **दूध** को हाथ में ले कर उस का गाढ़ा पन और चिक्नाहट देख

www.dawateislami.net

कर उस के ख़ालिस होने या न होने का बता देते हैं। (दूध की मन्डियों में आ़म तौ़र पर येही त़रीक़ा राइज है)

पढ़ लेने के बा'द सवाब की नियय्यत से (बालिग़ान) किसी को दे दें

ग़मे मदीना, बक़ीअ़, मग़्फ़िरत और बे हिसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आक़ा के पड़ोस का त़ालिब

जुमादल ऊला 1437 सि.हि.
फ़रवरी 2016

مآخذ ومراجع

کتاب	مطبوعہ	کتاب	مطبوعہ
قرآن مجید		کنز العمال	دار الکتب العلمیۃ بیروت
بخاری	دار الکتب العلمیۃ بیروت	مرقاۃ	دار الفکر بیروت
مسلم	دار ابن حزم بیروت	اشعۃ اللمعات	کوئٹہ
ابن ماجہ	دار المعرفۃ بیروت	مراٰۃ المناجیح	ضیاء القرآن پبلی کیشنز مرکز الاولیاء لاہور
مسند امام اعظم	مرکز الاولیاء لاہور	اَخلاق النّبی	دار الکتاب العربی بیروت
معجم کبیر	دار احیاء التراث العربی بیروت	معرفۃ الصحابۃ	دار الکتب العلمیۃ بیروت
مسند ابو یعلی	دار الکتب العلمیۃ بیروت	الاصابۃ فی تمییز الصحابۃ	دار الکتب العلمیۃ بیروت
مسند امام احمد	دار الفکر بیروت	کتاب الاذکیاء	مؤسسۃ الریان بیروت
مستدرک	دار المعرفۃ بیروت	حیاۃ الحیوان الکبری	دار الکتب العلمیۃ بیروت
حلیۃ الاولیاء	دار الکتب العلمیۃ بیروت	بہار شریعت	مکتبۃ المدینہ باب المدینہ کراچی
شعب الایمان	دار الکتب العلمیۃ بیروت	☆☆☆	☆☆☆

www.dawateislami.net

फ़ेहरिस

उ़न्वान	सफ़हा	उ़न्वान	सफ़हा
दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत	1	﴾13﴿ परिन्दे को तीर मार रहे थे	21
﴾1﴿ दूध पीते म-दनी मुन्ने ने बात की !	2	﴾14﴿ गाना गाने वाली बच्ची	22
﴾2﴿ म-दनी मुन्ने का हाथ जल गया	3	﴾15﴿ गधे पर सुवार म-दनी मुन्ना	23
﴾3﴿ कुछ बाल सफ़ेद और कुछ काले	5	﴾16﴿ गुस्से वाले बच्चे का अनोखा इलाज	25
﴾4﴿ प्यारे नबी का प्यारा प्यारा हाथ	6	﴾17﴿ बुरी सोह़बत का असर	27
﴾5﴿ छोटी बोंडी वाला म-दनी मुन्ना	7	दूध के म-दनी फूल	30
﴾6﴿ गूंगा (Dumb) बच्चा बोलने लग गया	8	दूध कुरआने करीम की रोशनी में	30
﴾7﴿ मेरा हाथ पियाले में घूमता था	10	आक़ा صلی اللہ علیہ والہ وسلم को दूध बहुत पसन्द था	32
﴾8﴿ समझदार म-दनी मुन्नी	12	मां के दूध के चार म-दनी फूल	32
﴾9﴿ म-दनी मुन्ने को डबल मिला	14	बच्चे को दूध पिलाने की मुद्दत	34
﴾10﴿ ज़िक्रुल्लाह की आ़दत	16	दूध के 47 म-दनी फूल	35
﴾11﴿ नाबीना म-दनी मुन्ना देखने लगा !	17	ख़ालिस दूध की पहचान के चार म-दनी फूल	45
﴾12﴿ टांग कट गई	19	मआख़िज़ो मराजेअ़	46

www.dawateislami.net

बच्चे की पैदाइश पर मुबारक बाद देने का त़रीक़ा

फ़रमाने ह़ज़रते ह़-सने बसरी رَحۡمَۃُ اللہِ تَعَالٰی عَلَیۡہِ : बच्चे की पैदाइश पर यूं मुबारक बाद दिया करो : جَعَلَہُ اللہُ مُبَارَکًا عَلَیۡکَ وَعَلٰی اُمَّۃِ مُحَمَّدٍ صَلَّی اللہُ عَلَیۡہِ وَسَلَّم -

म-दनी फूल : ● बेटी हो तो جَعَلَہٗ की जगह جَعَلَھَا और مُبَارَکًا की जगह مُبَارَکَۃً कहे ● याद रहे कि बि ऐ़निही (Same) येही अल्फ़ाज़ कहना कोई ज़रूरी नहीं मह़ज़ एक वलिय्युल्लाह से मन्कूल अच्छे त़रीक़े का बयान है, इस से मिलते जुलते दीगर अल्फ़ाज़ भी कहे जा सकते हैं ● जिस को मुबारक बाद दी जाए वोह येह कलिमात कहे : اٰمِیۡنَ وَجَزَاکَ اللہُ خَیۡرًا

م ـــــ دینہ

तरजमा : या'नी **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ इसे तुम्हारे लिये और उम्मते मुह़म्मद صَلَّی اللہُ تَعَالٰی عَلَیۡہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم के लिये मुबारक (या'नी बाइसे ब-र-कत) बनाए। (اَلدُّعاء لِلطَّبَرانی ص ۲۹۴ مُلَخَّصًا)

मक-त-बतुल मदीना®

दा'वते इस्लामी

फ़ैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बग़ीचे के पास, मिरज़ापूर, अह़मदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया

Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net